राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) के तहत आयोजित कृषि शिक्षा मेला –एक प्रतिवेदन

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना (NAHEP) के तत्वावधान में 9 सितंबर 2023 को मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित पवारखेड़ा केंद्र में 'कृषि शिक्षा मेला' का आयोजन किया। कार्यक्रम में नर्मदापुरम जिले के आसपास के क्षेत्रों के स्कूलों के विज्ञान संकाय के लगभग 350 उच्च माध्यमिक छात्रों ने भाग लिया। कृषि-शिक्षा मेले का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुसार कृषि-शिक्षा पर जागरूकता पैदा करना और एचएससी और एसएससी स्तरों पर कृषि और संबद्ध विषयों को मुख्यधारा में लाना था। इस मेले में छात्रों को शैक्षिक सलाहकारों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों द्वारा कृषि और संबद्ध क्षेत्र में करियर के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई। सफल उद्यमियों को भी छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया गया था ।

कार्यक्रम का उद्घाटन मध्य प्रदेश शासन के मत्स्य पालन विभाग के संचालक श्री भरत सिंह ने किया। श्रीमती शशिकला, उपसंचालक, मत्स्य पालन विभाग, मध्य प्रदेश शासन ने उद्घाटन कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के भी केंद्रों के नोडल अधिकारी डॉ. श्रीनिवास जहागीरदार ने सभी का स्वागत किया। एनएएचईपी के प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी डॉ. रूपम शर्मा ने कार्यक्रम एवं तकनीकी कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री भरत सिंह ने मध्य प्रदेश के मत्स्य संसाधनों के बारे में बताया और कृषि और संबद्ध क्षेत्र विशेषकर मत्स्य पालन में अवसरों पर प्रकाश डाला।

डॉ. रूपम शर्मा और डॉ. शामना एन के संक्षिप्त आइस-ब्रेकिंग सत्र के साथ, छात्र दर्शकों से उनके करियर विकल्पों के बारे में पूछा गया, जिनमें से अधिकांश ने उद्यमिता को चुना। इसके बाद शिक्षा विशेषज्ञ सुश्री उम्मे कुलसुम के करियर मार्गदर्शन के साथ तकनीकी सत्र की शुरुआत हुई। उन्होंने छात्रों को कृषि और संबद्ध विज्ञान में करियर विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कृषि विज्ञान में कृषि व्यवसाय प्रबंधन सहित विभिन्न अवसरों को भी सूचीबद्ध किया ।

डॉ. शशि भूषण ने एसएयू, सीएयू और समतुल्य विश्वविद्यालयों में कृषि विज्ञान के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश पाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। डॉ. धालोंग और डॉ. हर्षा ने मत्स्य विज्ञान में करियर विकल्पों के बारे में बताया। उन्होंने मत्स्य पालन क्षेत्र में शुरू की जा सकने वाली उद्यमिता गतिविधियों के बारे में भी चर्चा की।

आईसीएआर-एनआईएचएसएडी, भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रदीप गंधाले ने पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान में करियर विकल्पों के बारे में बात की और पशु पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन के बारे में उल्लेख किया। इसके बाद, अन्य संसाधन व्यक्ति जैसे डॉ. एस.के. पांडे, डॉ. आशीष पांडे और डॉ. संजय सिंह चौहान, कृषि महाविद्यालय, पवारखेड़ा, मध्य प्रदेश के प्रोफेसर क्रमशः छात्रों को कृषि, बागवानी और कृषि इंजीनियरिंग में करियर के अवसरों के बारे में जानकारी दी।

छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, मत्स्य पालन और कृषि क्षेत्र के दो सफल उद्यमियों क्रमशः श्री अनिल सक्सेना और श्री शरद वर्मा को युवा छात्रों के साथ अपनी सफलता की कहानियाँ और अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसने छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया।

इंटरैक्टिव सत्र में, संसाधन व्यक्तियों द्वारा छात्रों के प्रश्नों का उत्तर दिया गया। छात्रों के साथ आए शिक्षकों ने भी संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और उनकी शंकाओं को दूर किया। कई छात्रों ने समाज द्वारा कृषि में करियर की स्वीकार्यता को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की।

कृषि शिक्षा मेले के एक भाग के रूप में, आईसीएआर-सीआईएफई पोवारखेड़ा केंद्र में कृषि शिक्षा के बारे में वर्णन करने वाली और मत्स्य पालन क्षेत्र की विभिन्न प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी। प्रतिभागियों ने खेत का दौरा किया और गतिविधियां को देखा । अंत में, आईसीएआर-सीआईएफई पवारखेड़ा केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. सुनील कुमार नायक ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Agri Education Fair 2023